भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 662

बुधवार, दिनांक 03 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>जनजातीय क्षेत्रों में सौर मिनी-ग्रिड का संस्थापन</u>

662. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा ओडिशा के जनजातीय और दूरदराज के जिलों विशेष रूप से कंधमाल, बौद्ध, रायगढ़ा और अन्य अनुसूचित क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा पहुंच और सौर मिनी-ग्रिड, माइक्रो-हाइडल सिस्टम और ऑफ-ग्रिड पावर सॉल्यूशंस की संस्थापना का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) उक्त राज्य में मंत्रालय के सहयोग से घरेलू सोलराइजेशन, सौर स्ट्रीट लाइट, सौर अध्ययन लैंप, वितरित आजीविका उपकरण, सौर कोल्ड स्टोरेज इकाइयों और अन्य विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) आधारित उपायों जैसी जनजातीय केंद्रित नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं में कितनी प्रगति हुई है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कृषि ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) रूफटॉप सौर कार्यक्रम, सोलर पंपिंग, बायोमास और बायोगैस कार्यक्रमों के अंतर्गत ओडिशा में कितनी उपलब्धि प्राप्त हुई और निधि जारी की गई; और

(घ) क्या सरकार का विचार कृषि, ग्रामीण उद्यमों और सामुदायिक आजीबिका का सहयोग करने के लिए ओडिशा के जनजातीय जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा क्लस्टर या सौर आजीविका केंद्र स्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जेजीयूए) के अंतर्गत नई सौर विद्युत योजना (जनजातीय और पीवीटीजी बस्तियों/गांवों के लिए) कार्यान्वित कर रहा है। योजना के तहत, जनजातीय और पीवीटीजी क्षेत्र, जहां ग्रिड कनेक्टेड विद्युतीकरण तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है, वहां जनजातीय और पीवीटीजी परिवारों, बहुउद्देश्यीय केंद्रों और सार्वजनिक संस्थानों को ऑफ-ग्रिड प्रणाली (सोलर होम लाइटिंग प्रणाली/सोलर मिनी ग्रिड) प्रदान की जाती हैं।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) के अंतर्गत, ओडिशा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (ओरेडा) ने 1229 किलोवाट की संचयी क्षमता के कुल 64 सौर मिनी ग्रिड स्थापित किए हैं। जिला-वार ब्योरा निम्नानुसार है:-

क्रम संख्या	**ज़िला**	**गांवों की संख्या**	**मिनी ग्रिड क्षमता (किलोवाट में)**	**विद्युतीकृत घरों की संख्या**
1	गजपति	8	135	469
2	गंजम	28	428	1288
3	क्योंझर	3	77	333
4	कोरापुट	14	245	790
5	मयूरभंज	2	65	215
6	रायगढ़	4	226	734
7	कोरापुट	5	53	184
	कुल	**64**	**1229**	**4013**

(ख) और (ग): ओडिशा सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, राज्य में ओआरईडीए ने 28 सौर शीत गृह स्थापित किए हैं। इसके अलावा, पीएम जनमन और डीए-जेजीयूए के तहत, राज्य के डिस्कॉम ने 8,359 अविद्युतीकृत जनजातीय परिवारों का ऑफ-ग्रिड सौर प्रणालियों के माध्यम से सौरीकृत किया है तथा 2,364 अविद्युतीकृत जनजातीय परिवारों का माइक्रो-ग्रिड से जोड़ा गया है।

मंत्रालय के प्रधानमंत्री-कृषि उर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम), रूफटॉप सौर कार्यक्रम तथा बायोगैस कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा राज्य की वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान उपलब्धियां तथा आबंटित निधियां निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	**योजनाओं**	**प्रणाली**	**स्थापित (संख्या)**	**CFA रिलीज़ (रु. में)**
1.	पीएम कुसुम	स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंप	4925	3,44,00,000
2.	रूफटॉप सौर कार्यक्रम	रूफटॉप सौर संयंत्र	3844	28,97,13,569
3.	बायोगैस कार्यक्रम	बायोगैस संयंत्र	241	40,64,550

(घ) ऐसा कोई कार्यक्रम शुरू नही किया गया है।

*****